



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 184] तृई विल्ली, बुधवार, अश्विनी 13, 1971/प्राधिकृत 21, 1893

No. 184] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 13, 1971/ASVINA 21, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 13th October 1971

G.S.R. 1541.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts sugar, described in column (2) of the Table below and falling under sub-item (1) of Item No. 1 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. No.	Description of sugar	Duty of excise.
(1)	(2)	(3)
1	Sugar produced in a factory during the period commencing from the 1st day of October, 1971 and ending with the 30th day of November, 1971 which is in excess of 80 per cent of the quantity of sugar produced during the corresponding period in 1970.	Rupees seventeen per quintal

(1)	(2)	(3)
2	Sugar produced in a factory during the period commencing from the 1st day of December, 1971 and ending with the 30th day of September, 1972 which is in excess of 80 per cent of the quantity of sugar produced during the period commencing from the 1st day of December, 1970 and ending with the 30th day of September, 1971.	Rupees sixteen per quintal

Provided that the aforesaid exemption shall not be admissible to a factory—

- (a) which did not work during the base period, or
- (b) which had only a trial run in the base period, or
- (c) which commences production for the first time on or after the 1st day of October, 1971:

Provided further that in computing the production of sugar during the two periods mentioned in column (2) of the said Table,—

- (a) the data, as furnished in Form R.G. 1 prescribed in Appendix I to the Central Excise Rules, 1944, or in such other record as the Collector may prescribe under rule 53 or rule 173-G of the said rules, shall be adopted;
- (b) any sugar obtained from reprocessing of sugar-house products left over in process at the end of the base period or earlier shall be taken into account; and
- (c) any sugar obtained by refining gur or khandsari sugar, or any sugar obtained by reprocessing of defective or damaged sugar or brown sugar, if the same has already been included in the quantity of sugar produced, shall not be taken into account.

Explanation I.—A factory shall be deemed to have had a 'trial run' during the base period only if, on first going into production, the period during which actual crushing was done during the base period was less than 40 per cent of the average duration of the season in the State in which the factory is situated.

Explanation II.—In this notification, the expression, 'base period', means the period commencing from the 1st day of October, 1970 and ending with the 30th day of September, 1971.

[No. 185/71-CE.]

S. R. NARAYANAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1971

सा० का० नि० 1541—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में वर्णित और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और लवण अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की

प्रथम अनुसूची की मद सं० 1 की उप-मद (1) के अधीन आने वाली शर्करा को उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, एतद्द्वारा छूट देनी है।

सारणी

क्रम सं०	शर्करा का वर्णन	उत्पाद-शुल्क
(1)	(2)	(3)
1.	1 अक्टूबर, 1971 से प्रारम्भ होने वाली और 30 नवम्बर, 1971 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान कारखाने में उत्पादित शर्करा, जो 1970 की तत्स्थानी अवधि के दौरान उत्पादित शर्करा के परिमाण के 80 प्रतिशत से अधिक्य में हो।	17 रु० प्रति क्विन्टल
2.	1 दिसम्बर, 1971 से प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर, 1972 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान कारखाने में उत्पादित शर्करा, जो 1 दिसम्बर, 1970 से प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर, 1971 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उत्पादित शर्करा के परिमाण के 80 प्रतिशत से अधिक्य में हो।	6 रु० प्रति क्विन्टल

परन्तु उपरोक्त छूट उस कारखाने को अनुज्ञेय नहीं होगी :—

- (क) जिसने आधारी-अवधि के दौरान काम नहीं किया था, या
- (ख) जिसका आधारी-अवधि में केवल जाँच-चालन हुआ था, या
- (ग) जो 1 अक्टूबर, 1971 को या उसके पश्चात् पहली बार उत्पादन शुरू करता है।

परन्तु और भी कि उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित दो अवधियों के दौरान शर्करा के उत्पादन की संगणना करने में,—

- (क) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के परिशिष्ट 1 में विहित प्ररूप आर० जी० 1 में या ऐसे अन्य अभिलेख में, जो कलक्टर उक्त नियम के नियम 53 या नियम 173-छ के अधीन विहित करे, यथा दी गई आधार-सामग्री अंगीकृत की जाएगी;
- (ख) आधारी-अवधि की समाप्ति पर या उसके पहले प्रक्रिया में शर्करा-गुह के अवशिष्ट उत्पाद की पुनः प्रक्रिया से अभिप्राप्त कोई शर्करा हिसाब में ली जाएगी; और
- (ग) गुड़ या खण्डसारी शर्करा के परिष्करण द्वारा अभिप्राप्त कोई शर्करा या खराब या बिगड़ी हुई या भूरी शर्करा की पुनः प्रक्रिया से अभिप्राप्त कोई शर्करा, यदि उसे उत्पादित शर्करा के परिमाण में पहले ही सम्मिलित किया गया हो, हिसाब में नहीं ली जाएगी।

स्पष्टीकरण .-- 1. कोई कारखाना आधारी-अवधि के दौरान जांच-चालन पर था केवल तभी समझा जाएगा यदि पहली बार उत्पादन करते समय जिस आधारी-अवधि के दौरान वास्तविक पेराई की गई थी, वह अवधि, जिस राज्य में कारखाना स्थित है, ऐसे सीमा की औसत अवधि के 40 प्रतिशत से कम थी ।

स्पष्टीकरण .-- 2. इस अधिनियम में "आधारी-अवधि" पद से 1 अक्टूबर, 1970 से प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर, 1971 को समाप्त होने वाली अवधि अभिप्रेत है ।

[सं० 185/71-सी० ई०]

एस० आर० नागयणन, अवसर सचिव ।